4. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Explain any **one** of the following in Sanskrit : (7)

(i) समाधि

(ii) परवैराग्य

(iii) ध्यानयोग

7 Dec

[This question paper contains 6 printed pages.]

07 DEC 2022

Your Roll No. ....

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021 LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 4200

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (H), DSE – LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

munotes.in

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×3=36)

Answer any **three** of the following questions :

(i) बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मज्ञान के साधन श्रवण-मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (śravaṇa), Reflection (manana) and meditation (nididhyāsana) as method of Self-presentation on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣad.

(ii) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में योग के महत्त्व को समझाइये।

Explain the importance of yoga in modem perspective by clarifying the word 'Yoga'.

अथवा / OR

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्धधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ।।

(v) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ।।

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(i) चितिशक्तिरपरिणामिन्यप्रतिसङ्क्रमा दर्शितविषया शुद्धा चानन्ता च ।

(ii) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(iii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।

P.T.O.

munotes.in

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ।।

(ii) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषत: ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्तत: ।।

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ।।

(iii) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायण: ।।

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रिय: ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

(iv) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धय: ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रता: ।।

munotes.in

(iii) पातञ्जअलयोगदर्शन में वर्णित योग के बहिरंग साधनों का वर्णन कीजिए।

Describe the external means of Yoga described in the Yoga philosophy of Patanjali.

(iv) क्रियायोग का अर्थ स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the meaning of Kriyā Yoga, describe the methods of chittaprasadana.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए "ध्यान-योग" की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Dhyāna-Yoga for balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(i) अध्यातज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ।।

munotes.in